

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II---धन्य 3---उप-खन्य

PART II—Section 3—Sub-

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं • 155] नई बिल्ली, शुक्रवार, मई 25, 1979/ज्येष्ठ 4, 1901 No. 155] NEW DELHI, FRIDAY, MAY 25, 1979/JYAISTHA 4, 1901

> इस जाग में जिल पृथ्ठ संख्या की जाती है जिससे कि मह अलग संकलन के इप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाँबहुन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

अधिसूचना

मर्ड क्लि. 25 मर्ड. 1979

सा. का. वि. 320 (अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धाम 3 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपखंड (2) द्वारा प्रकृत शिक्त्यों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतपुदारा भारत सरकार के मौबहन और परिवहन मंत्रालय, (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 298 (ई) दिनांक 30-3-79 में निम्मितिक संशोधन करती हैं, अर्धास् :—

उक्त अधिसूचमा में', प्रारंभिक पैरा के परन्तुक में', अंक "7" के स्थान पर अंक "2, 7" रखे जाएं।

[फाइल संख्या पी.टी.वी.-45/78] फ़िनेश कुमार जैन, संधुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th May, 1979

G.S.R. 320 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 296(E), dated the 30th March, 1979. namely:—

In the said notification, in the proviso to the opening paragraph, for figure "7", the figures "2, 7" shall be substituted.

[F. No. PTB-45/78] Dr. K. JAIN, Jt. Secy.